विश्व हिन्दी दिवस- विशिष्ट व्याख्यान (10 जनवरी, 2018)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है, में आज दिनाँक 10 जनवरी, 2018 को 'विश्व हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य मे – "वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की वर्तमान भूमिका" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रति-कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने वर्तमान परिदृश्य में हिन्दी भाषा के पैश्विक विस्तार पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की कार्यवाहक निदेशक डॉ .लता पिल्लै ने की ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिद्वय तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ । प्रारम्भ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समन्वयक एवं सहायक सलाहकार डॉ. मोहित तिवारी ने समिति की गतिविधियों एवं विश्व हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की पृष्ठभूमि से अवगत कराया । साथ ही उपस्थित श्रोताओं को अवगत कराया कि, आज के उक्त कार्यक्रम का आयोजन, निवर्तमान निदेशक, नैक तथा वर्तमान अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, प्रो. डी.पी. सिंह के निर्देशों के अनुक्रम में किया जा रहा है ।

उक्त आयोजन में प्रो. शर्मा ने बताया कि आज किस तरह वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी का प्रसार हो रहा है । वर्तमान में भारत सरकार भी संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को अधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाने की दिशा में प्रयासरत है । विश्व के लगभग 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में वर्तमान समय में हिन्दी भाषा का

अध्ययन कराया जा रहा है । फिजी, सूरीनाम एवं बुल्गारिया इत्यादि देशों में हिन्दी भाषा का प्रसार हो रहा है ।

विभिन्न देशों में सामाजिक ताने-बाने में भी आज हिन्दी रच एवं बस गयी है। बाजारीकरण के इस दौर में हिन्दी का व्यवसायिक महत्व भी काफी बड़ गया है । तथा आज के दौर में पर्यटन के क्षेत्र में भी हिन्दी की भूमिका के कारण अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बड़ावा मिल रहा है।

परिषद की कार्यवाहक निदेशक, डॉ. लता पिल्लै ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग हेतु किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। वर्तमान में परिषद अकादमिक कार्यों एवं प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग की ओर अग्रसर है। साथ ही निकट भविष्य में मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया में भी राजभाषा हिन्दी के अनुप्रयोग की ओर प्रयासरत है।

अंत में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य एवं उप सलाहकार डॉ. गणेश हेगड़े ने धन्यवाद प्रस्ताव द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार प्रकट किया ।

* * * * * * *